रेत का खेल | गोहपारू थाना क्षेत्र में इन दिनों अवैध रेत का खेल

रात के अंधेरे में रेत का खेल, नाबालिगों के हाथ में ट्रैक्टर की स्टेयरिंग

नवभारत, गोहपारू । उत्खनन का काला कारोबार रात के सन्नाटे में पूरी रफ्तार से फल-फूल रहा है। माफिआओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे न केवल कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि इस जोखिम भरे काम में नाबालिग बच्चों को झोंक रहे हैं। बिना 'हैवी लाइसेंस' के ये नौसिखिये चालक सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, गोहपारू पुलिस की कथित सुस्ती का फायदा उठाकर रेत माफिया रात होते ही सक्रिय हो जाते हैं। नदियों के सीने को छलनी कर अवैध रूप से रेत निकाली जा रही है। पुलिस की नाक के नीचे रात भर ट्रैक्टरों की गड़गड़ाहट सुनाई देती है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सन्नाटा पसरा रहता है।

बिना लाइसेंस के 'मौत' के सौदागर

इस अवैध कारोबार की सबसे भयावह सच्चाई यह है कि ट्रैक्टर चलाने वाले अधिकतर चालक नाबालिग हैं।

लाइसेंस का अभाव: इन चालकों के पास न तो 'हैवी लाइसेंस' है और न ही वाहन चलाने का पर्याप्त अनुभव।

बालिकाओं का जोखिम: जानकारी के अनुसार, कुछस्थानों पर कम उम्र की लड़कियों/बालिकाओं से भी यह जोखिम भरा काम करवाया जा रहा है, जो सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत चिंताजनक है।

तेज रफ्तार: रात के अंधेरे में पकड़े जाने के डर से ये नाबालिग चालक ट्रैक्टरों को इतनी तेज गति से चलाते हैं कि सड़कों पर चलने वाले अन्य राहगीरों की जान हमेशा खतरे में बनी रहती है।

प्रशासनिक मिलीभगत की आशंका ?

ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध उत्खनन की जानकारी होने के बावजूद गोहपारू पुलिस मौन साधे हुए है। रात के अंधेरे में सैकड़ों ट्रॉली रेत पार हो जाती है, जिससे शासन को लाखों के राजस्व की हानि हो रही है। बिना लाइसेंस और बिना उम्र के इन चालकों पर कार्रवाई न होना, पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

बड़ा सवाल: क्या गोहपारू पुलिस और जिला प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? क्या इन मासूमों के हाथों से स्टीयरिंग छीनकर उन्हें स्कूल भेजने और रेत माफिआओं को जेल भेजने की जहमत प्रशासन उठाएगा।

सबसे बड़ा सवाल

अगर यह देखा जाए की गोहपारू थाना में आज करीब लगभग 3 माह से खनिज अधिनियम की कितनी कार्यवाही थाना में हुई है उसी में स्पष्ट हो जाएगा अगर क्षेत्र में भ्रमण किया जाए तो यह साफदेखा जा सकता है रात के अंधेरे में अवैध रेत उत्खनन ट्रैक्टर माध्यम से धड़ल्ले के साथ अवैध रेत उत्खनन करते एवं परिवहन करते हैं एवं नाबालिकों को इस काम में उपयोग करते हैं अगर 3 महीना में एक भी खनिज अधिनियम की कार्यवाही ना हुई तो कहीं ना कहीं मिली भगत का आशंका है एवं पुलिस के कार्य प्राणी पर सवाल खड़े होते हैं वहीं पुलिस रात एवं दिन में ग्रस्त करती है लेकिन ग्रस्त के बहाने रेत माफिआओ को ट्रैक्टर को हरी झंडी दिखाते हैं एवं अवैध कारोबार काम मे पुलिस कर्मी करवाते हैं इन पुलिस अधिकारियों के मिली भगत से क्षेत्र में लगातार रेत का खेल जारी है एवं पुलिस मौन बने थाना में बैठी हुई है।

इनका कहना है

छोटे-छोटे बच्चे भारी भरकम ट्रैक्टर लेकर मुख्य सड़कों पर निकलते हैं। उनके पास न लाइसेंस है न समझ। किसी भी दिन कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है।

एक चिंतित ग्रामीण

जिले में सरकारी अधिकारियों की हो चुकी मौत

वही इस जिले शहडोल जिले में रेत का अवैध उत्खनन जारी है कुछ वर्ष थाना देवलौद क्षेत्र अंतर्गत ट्रैक्टर पकड़ने गए पटवारी प्रशांत सिंह बघेल को रेत माफिया ने ट्रैक्टर चढ़कर उनकी मौके पर मौत कर दिया जिससे पटवारी की मौत हो गई वहीं 2 साल पहले व्योहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत हो रहे हैं अवैध रेत उत्खनन पर कार्यवाही करने गए सहायक उप निरीक्षक महेंद्र बागरी को रेत माफिआओ एएसआई के ऊपर ट्रैक्टर चढ़कर मौत का घाट उतार दिया वही लगातार गोहपारू थाना क्षेत्र में रेत खनन जारी है अब रेत माफिया किसकी बाली लेंगे तब रेत बंद होगी सबसे बड़ा यह सवाल है।

खांड नगर परिषद की उपयंत्री 10 हजार लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नवभारत, शहडोल। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफलोकायुक्त ने बड़ी और सख्त कार्रवाई करते हुए नगर परिषद खांड बाणसागर में पदस्थ उपयंत्री को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ धर दबोचा। इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है और कर्मचारियों में खौफका माहौल देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, रीवा निवासी ठेकेदार मेसर्स जे.के. अग्रवाल ने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि नगर परिषद क्षेत्र के खेल मैदान में स्टेयर निर्माण कार्य पूरा होने के बाद अंतिम भुगतान के लिए मूल्यांकन जरूरी था, लेकिन संबंधित उपयंत्री सुधा वर्मा फाइल को जानबूझकर अटका रही थीं। आरोप है कि मूल्यांकन करने के एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत की पुष्टि के बाद लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पाटीदार के निर्देश पर ट्रैप टीम सक्रिय हुई। तय योजना के तहत 9 अप्रैल को नगर परिषद कार्यालय खंड देवलौंद में जाल बिछाया गया, जहां उपयंत्री को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर ही आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए और आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व निरीक्षक संदीप सिंह भदौरिया ने किया, जिसमें निरीक्षक एस. राम मरावी, उप निरीक्षक आकांक्षा शुक्ला सहित 12 सदस्यीय टीम शामिल रही। लोकायुक्त की इस कार्रवाई ने साफसंकेत दे दिया है कि रिश्वतखोरी करने वालों पर अब शिकंजा लगातार कसता जाएगा।

जिला फुटबॉल संघ शहडोल की बैठक आयोजित

▶ खिलाड़ियों के चयन व अस्मिता टूर्नामेंट पर फोकस

नवभारत, शहडोल। जिला फुटबॉल संघ शहडोल द्वारा संघ की गतिविधियों की समीक्षा और आगामी आयोजनों की रणनीति तय करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पदाधिकारियों, कोचों और खिलाड़ियों ने भाग लेकर खेल के विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद जकरिया ने की। इस दौरान उपाध्यक्ष ए.के. मोहंती, बालकृष्ण बंगारी, समीम खान, सचिव रईस अहमद, रिलायंस फाउंडेशन के सीएसआर हेड राजीव श्रीवास्तव सहित कई सदस्य और राष्ट्रीय खिलाड़ी उमा केवट मौजूद रहे। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कोषाध्यक्ष अनिल सिंह ने संघ के पुनर्गठन के बाद की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से जूनियर व सब-जूनियर बालिका टीमों ने ओपन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। साथ ही 10 से अधिक खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर हुआ।

जिन्होंने असम और नागालैंड में आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लिया।उन्होंने बताया कि लेवल-8 रेफरी कोर्स के जरिए 28 युवाओं को प्रशिक्षित कर रेफरी बनाया गया है, वहीं 9 क्लबों का पंजीकरण और खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन भी किया गया। इसके अलावा 24 खिलाड़ियों को डी-लाइसेंस कोर्स कराकर फुटबॉल कोच तैयार किया गया। सचिव रईस अहमद ने वित्तीय संसाधनों की कमी को बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि स्थायी आय स्रोत के अभाव में इंदौर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अंडर-20 टीम भेजना कठिन हो रहा है। उन्होंने इसी माह आयोजित होने वाले अंडर-14 व अंडर-17 बालिका वर्ग के अस्मिता टूर्नामेंट की जानकारी भी दी। कार्यकारी अध्यक्ष मो. जकरिया ने खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में संघ के लिए कॉर्पस फंड बनाने पर भी सहमति बनी।

महाप्रबंधक कार्यालय में रेस्क्यू ब्रिगेड ने किया सीपीआर का डेमो

नवभारत, धनपुरी । वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर और रेस्क्यू स्टेशन के संयुक्त अभियान में इन दोनों सीपीआर के संबंध में लोगों को जानकारी और उसका डेमो करके दिखाया जा रहा है जिसकी चर्चा पूरे क्षेत्र में चल रही है। इस डेमो कार्यक्रम में रेस्क्यू के ब्रिगेड मेंबर के अलावा रेस्क्यू के वरिष्ठ सदस्य की विशेष उपस्थिति रहती है। आज के डेमो कार्यक्रम में विशेष रूप से गोविंद सिंगल रेस्क्यू ब्रिगेड मेंबर राजेश्वर ताम्रकार और रेस्क्यू टीम के वरिष्ठ सदस्य अजय द्विवेदी की विशेष उपस्थिति रही।

बुधवार को महाप्रबंधक कार्यालय में यह कार्यक्रम रखा गया और जैसे ही दैनिक प्रार्थना समाप्त हुई वैसे ही सभी अधिकारी और स्टाफ डेमो देखने के लिए एकत्रित हो गए। इस डेमो को देखने के लिए विशेष रूप से महाप्रबंधक संचालन मनीष

श्रीवास्तव एरिया फाइनेंस मैनेजर रविंद्र गणवीर स्टाफ ऑफिसर विद्युत एवं यांत्रिक पार्थ सेनगुप्ता स्टाफ ऑफीसर माईनिंग संदीप सोनी स्टाफ ऑफिसर एछ आर बलराम हेंब्रम, एरिया सेफ्टी ऑफिसर रमेश प्रसाद मैनेजर सर्वे केपी निगम आशीष सक्सेना, नर्मदा विश्वकर्मा,केशव मीणा, गौरव सिंघल पंकज कुमार अमित गौतम के साथ-साथ फर्स्ट एड टीम के प्रियंका मिश्रा रक्षा कोल, मनस्वी सोनी रोशनी साहू साक्षी शुक्ला के साथ लगभग एक सैकड़ा लोग उपस्थित रहे। सबसे पहले सहायक प्रबंधक गोविंद सिंगल जो की मैनी क्वीन के साथ वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर से आए थे,उन्होंने सबसे पहले सीपीआर का उद्देश्य और उसकी आवश्यकता के बारे में प्रकाश डाला और उसके उपरांत उन्होंने डेमो करने के लिए जाने-माने रेस्क्यू ट्रेड एवं फर्स्ट एडर वर्कशॉप के इंजीनियर अजय द्विवेदी को आमंत्रित किया। अजय द्विवेदी ने उपस्थित सभी लोगों को सीपीआर की आवश्यकता कब पड़ती है, उसके क्या-क्या नियम है,कब सीपीआर को देना बहुत जरूरी हो जाता है और कैसे लोगों को जीवन की रक्षा की जाती है, इन सब बातों को बारीकी के साथ लोगों को बताया और लोगों ने ताली बजाकर स्वागत किया। इसके उपरांत अजय द्विवेदी ने मेनीक्यीन पर कैसे कंप्रेशन किया जाता है कितना दवाब बनाना चाहिए और क्या-क्या सावधानी लेनी चाहिए और किसी के जीवन बचाने के लिए कितना समय रहता है, इस सब के बारे में विस्तृत प्रकाश डाला और लोगों को समझाया। इसके उपरांत वर्कशॉप में पूर्व से प्रशिक्षित रोशनी साहू जनरल असिस्टेंट ने भी डमी पर सीपीआर करके दिखाया।

सीपीआर जीवन रक्षक है : मनीष श्रीवास्तव

सोहागपुर के महाप्रबंधक संचालक मनीष श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि निश्चित रूप में सीपीआर लाइफ सेविंग है और जितनी बारीकी के साथ यहां पर अजय द्विवेदी गोविंद सिंगल ने समझाया है और किसी भी बिंदु को बिना छोड़ें,बारीकियां का जिक्र किया,वो बधाई के पात्र हैं। और निश्चित रूप में लोगों को इससे प्रेरणा मिलेगी और लोग स्वयं जागरूक होकर आपातकालीन स्थिति में इसका उपयोग कर सकेगे । श्री श्रीवास्तव ने कहा कि आज की भाग दौड़ की जिंदगी में बहुत ज्यादा स्ट्रेस रहता है और जीवन की आपाधापी में अपने लिए कोई समय नहीं बचता है।हम सबको इस टाइप का ज्ञान को अर्जित करना चाहिए और निश्चित रूप में यह जीवन रक्षक है और अज्ञानता में बहुत लोगों की जान समय पर ट्रीटमेंट नहीं मिलने से चली जाती है। श्री मनीष श्रीवास्तव ने रेस्क्यू ट्रेड एवं फर्स्ट एडर अजय द्विवेदी, बीटीसी के गोविंद सिंगल की प्रशंसा करते हुए कहा कि गोविंद सिंगला ने बहुत अच्छा अभियान की शुरुआत की है और जिस तरीके से हर माइंस में जाकर वहां पर प्रशिक्षण करने का प्रयास किया जा रहा है उसका निश्चित रूप में लोगों को लाभ मिलेगा।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नवभारत ,धनपुरी । थाना अमलाई द्वारा महिला संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु त्वरित कार्रवाई करते हुए शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। मंगलवार को पीड़िता ने अपनी माता के साथ थाना अमलाई में उपस्थित होकर एक हस्तलिखित आवेदन पेश किया। पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2024 के अंत में आरोपी अवधेश सोनी, पिता संतराम सोनी (निवासी अमराडण्डी) उसे शादी का प्रलोभन देकर अपने घर ले गया और उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी लगातार शादी का झांसा देकर पीड़िता का शोषण करता रहा। सोमवार को आरोपी ने पुन: पीड़िता के साथ गलत काम किया, जिससे पीड़िता डेढ़ माह की गर्भवती हो गई। जब पीड़िता ने आरोपी से शादी करने का आग्रह किया, तो आरोपी ने साफ इनकार करते हुए उसे

धमकाया।

पीड़िता की रिपोर्ट पर थाना अमलाई में आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा एवं एससी/ एसटी एक्ट की धारा के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना अमलाई टीम द्वारा तत्काल दबिश दी और बुधवार को आरोपी अवधेश सोनी (उम्र 21 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही थाना प्रभारी अमलाई निरी. भूपेन्द्र मणी पाण्डेय के नेतृत्व में, सउनि. करतार सिंह, प्र.आर.शिव प्रसाद सिंह, आर, दयाशंकर सिंह, आर. आकाश कुमार, महिला आर. अमीना मरकाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लम्बे अर्से के बाद हुई बैठक, फिर भी रही औपचारिक

नवभारत, धनपुरी। महाप्रबंधक कार्यालय सोहागपुर क्षेत्र में एक लंबे अंतराल के बाद औद्योगिक संबंध बैठक थी। बैठक से सब एरिया स्तर के मानव संसाधन प्रबंधक भी नदारद थे तथा क्षेत्रीय मुख्यालय के विभागाध्यक्ष अपने विकल्प के रूप में कनिष्ठ अधिकारियों को भेजे थे। बिगत 3-4 वर्षों से देखा जाये तो सोहागपुर क्षेत्र में औद्योगिक संबंध बैठक महज खानापूर्ति के उद्देश्य से की जाती है जो औपचारिकता बनकर रह गई है। महाप्रबंधक बी के जेना को भी इसकी जानकारी देते हुए बैठक में आने का अनुरोध किया गया लेकिन वे रामपुर के किसानों के सांथ बैठक लेने की जानकारी देते हुए बैठक में आने में असमर्थता जताई। कंपनी के अन्य क्षेत्रों में औद्योगिक संबंध बैठक में या तो महाप्रबंधक अथवा महाप्रबंधक संचालन बैठते हैं। लेकिन सोहागपुर

क्षेत्र में आई आर बैठक क्षेत्रीय मानव संसाधन विभाग के ऊपर भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है जिससे बैठक में हुये निर्णय का क्रियान्वयन शून्य रहता है तथा आई आर व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गई है।

ऐसी परिस्थिति में कोयला मजदूर सभा एच एम एस ने नारेबाजी करते हुए बैठक का वहिष्कार किया । सबसे सोचने वाली बात यह है कि क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन बलराम हेमब्रम का स्थानांतरण बैकुंठपुर क्षेत्र के लिये हो गया है इसके बाद भी महाप्रबंधक द्वारा कार्यमुक्त नहीं किया जा रहा है जबकि वे चार वर्ष से संवेदनशील पद पदस्थ हैं। कंपनी मुख्यालय द्वारा श्री हेमब्रम को 31 मार्च को ही अपराह्न 3 बजे से स्टैंड रिलीज कर दिया गया है। महाप्रबंधक के पास कोई श्रम संगठन जब श्रमिक समस्याओं को लेकर जाते हैं तो कहते हैं मैं पर्सनल डिपार्टमेंट से परेशान हूं दूसरे तरफ उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया जाना दोहरा संदेश प्रदर्शित करता है जिसे श्रमिक हित में कदापि उचित नहीं कहा जा सकता है। हिंद मजदूर सभा के केंद्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष एवं संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्य शिवनारायण मिश्रा ने कहा कि आई आर की बैठक को लेकर जिस तरह से खाना पूर्ति की जा रही है वह इस बात को भी दर्शाता है कि कर्मचारियों के मुद्दे को लेकर प्रबंधन कितना गंभीर है हर 2 महीने में यह बैठक आयोजित होनी चाहिए यहां पर भी ऐसा नहीं होता और जब बैठक होती है तो इस बैठक में जिन्हें शामिल होना चाहिए वह तो शामिल होते नहीं और जिन्हें निर्देश दिए जाते हैं उनके द्वारा भी किसी तरह से बैठक में लिए गए मुद्दों पर कोई उचित निर्णय लिया जाता हो ऐसा भी नहीं देखा जाता यही कारण है कि हिंद मजदूर सभा के द्वारा इस बैठक का विरोध किया गया और इस बात को भी कहा गया है कि अगर बैठक में इसी तरह के हालात अगर देखे गए तो हिंद मजदूर सभा इसका पूर्ण जोर विरोध करेगी।

मप्र शिक्षक संघ द्वारा शोक सभा आयोजित

नवभारत,गोहपारू। शहडोल म प्र शिक्षक संघ ब्लाक गोहपारू के कोषाध्यक्ष श्री बद्री विशाल द्विवेदी निवासी रामपुर गोहपारू की माता श्री मती शिवराज कुमारी द्विवेदी जी का विगत दिन देहावसान हो गया था जिनके शोक श्रद्धांजलि अर्पित करने उनके निजनिवास रामपुर में समूची ब्लाक एवं तहसील ईकाई गोहपारू संरक्षक श्री महेश प्रसाद द्विवेदी के नेतृत्व में आज गुरुवार को सायं काल पहुंचकर दो मिनट का मौन रख कर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की तथा श्री द्विवेदी जी के इस दु:ख की घड़ी साथ खड़े रहने का संकल्प लिया गया । श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले में पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद पाठक तहसील अध्यक्ष बालेंद्र प्रसाद मिश्र, ब्लाक अध्यक्ष अमरबहादुर सिंह, उपाध्यक्ष शारदा प्रसाद पयासी तहसील कोषाध्यक्ष शिवशंकर सिंह, ब्लाक सचिव अबुल कलाम सिद्दीकी, के अलावा कार्य कारिणी सदस्य रामधनी सिंह, कुशल सिंह,बेसाहू लाल बैगा,लाल सिंह राममनोहर सिंह सहित शासकीय हाई स्कूल बरेली में पदस्थ प्रधानाध्यापक बी के पाण्डेय जी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

हादसा | एईसीएल सोहागपुर एरिया अंतर्गत बंगवार भूमिगत खदान मे बड़ा हादसा , नवभारत पीड़ित परिवार के साथ हैं

बिजली पोल से गिरकर ठेका कर्मी की दर्दनाक मौत

नवभारत धनपुरी । नियम कायदो को ताक पर रख जब जोखिम भरा कार्य किसी मजदूर से करवाया जाता है तब उसका नतीजा मोहेलाल जैसे मासूम कर्मी की मौत के रूप मे सामने आती है बताया जाता है खान प्रबंधक कार्यालय के सामने स्थित बिजली के पोल मे तकनीकी खराबी को सुधारने के लिए ठेका कर्मचारी मोहेलाल सिंह 43 वर्षीय पिता ठुन्नू सिंह ग्राम डोंगरा टोला पोस्ट चचाई निवासी विद्धत पोल पर चढ़कर कार्य कर रहा था तभी अचानक से वह नीचे आ गिरा अत्याधिक ऊचाई से गिरने पर शरीर पर गंभीर चोटे आई जिससे वहाँ अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया जहाँ मौके व आसपास उपस्थित अधिकारियो व

सहकर्मियों द्वारा घायल कर्मी को केंद्रीय चिकित्सालय न. 3 (धनपुरी) लाया गया लेकिन हालत गंभीर होने के कारण डाक्टरों द्वारा शहडोल निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया जहाँ उपचार के दौरान घायल श्रमिक की मौत हो गई इस घटना से पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है जिन संवेदनशील पदों पर बैठे प्रबंधन के अधिकारी जिनकी जिम्मेदारी रहती है की कार्यक्षेत्र मे कार्य कर रहे ठेका कम्पनियों व उसके अधीनस्थ ठेकेदारों से सेवा शर्तो व नियमों के अनुबंधों के अनुसार ही कार्य करवाया जाए लेकिन होता इसके विपरीत है ठेकेदारों व प्रबंधको के बीच ऐसा ऐसा सामंजस्य स्थापित हो जाता है जहाँ सारे नियम कायदो को सिर्फ कागजो तक सिमटा कर रख दिया जाता है व ठेकेदारों को खुली छूट दे दी जाती है जिसका खामियाजा गरीब व असहाय मजदूर को अपनी जान देकर चुकानी पडती है घटना से पीड़ित परिवार का बुरा हाल है व क्षेत्र के कामगारों व स्थानीय लोगों मे ठेकेदार व कालरी प्रबंधन की ऐसी अमानवीय कार्यशैली को देखकर गहरा आक्रोश व्याप्त है अब देखना होगा प्रशासन व कॉलरी प्रबंधन द्वारा ठेकेदार पर क्या कार्यवाही की जाएगी या फिर पूर्व में घटित हुई घटनाओं की तरह इस पर भी खानापूर्ति कर जिम्मेदारों को अभयदान दिया जाता है

पुलिस प्रतिक्रिया

हमे अभी तक डायरी प्राप्त नहीं हुई है डायरी प्राप्त होने पर विवेचना कर कार्यवाही की जाएगी।

खेम सिंह पेंद्रो थाना प्रभारी धनपुरी

नवभारत की इस घटना पे कार्यवाही को लेकर आगे भी नजर रहेगी ताकि पीड़ित परिवार के साथ उचित न्याय हो सके।

यहां हुई चूक से हुई गरीब मजदूर की दर्दनाक मौत

कॉलरी एवं माइनिंग विशेषज्ञों का कहना है की ऐसा कार्य जब भी कराया जाता है माइनिंग एरिया अंतर्गत तो वहां पर संबंधित ठेकेदार या फिर ठेकेदार का सुपरवाइजर का होना अनिवार्य होता है साथ ही ई एंड एम विभाग इंजीनियर या फिर उसके अधीनस्थ सहायक भी वहां पर अनिवार्यत: मौजूद होने चाहिए साथ हो कार्य कर रहे मजदूर ने जो सेफ्टी किट पहनी हुई है उसकी जांच भी कार्य शुरू होने से पहले ठेकेदार एवं कॉलरी के जिम्मेदारों के द्वारा की जाती है की वह उपकरण सही हैं या नहीं और कार्य खत्म होने तक वहीं पर सेफ्टी गार्ड का निर्माण किया जाता है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रत्याशित दुर्घटना अगर घटित होती है तो उसमे कम से कम जनहानि ना हो किंतु इस मामले में इन सभी तकनीकी एवं अति आवश्यक बातों को दरकिनार कर ठेका मजदूर से कार्य कराया जा रहा था जिसका खामियाजा दुर्घटनावश आखिर मजदूर को अपनी जान देकर भुगतना पड़ा। इस पूरे मामले में एसईसीएल क्षेत्र अंतर्गत विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु ठेकेदार अजरूद्दीन उर्फ बल्ली निवासी वार्ड क्रमांक 04 धनपुरी के द्वारा ठेकाकर्मी मोहेलाल से कार्य कराया जा रहा था इस पूरे लापरवाही और संवेदनशील घटना के सामने आने के बाद एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र प्रबंधन के महा प्रबंधक श्री बीके जेना एवं संबंधित विभाग के द्वारा क्या कार्यवाही ठेकेदार अजरूद्दीन उर्फ बल्ली के ऊपर सुनिश्चित की जाती है यह बड़ा सवाल सोहागपुर क्षेत्र की जनता प्रबंधन से पूछ रही है या फिर मामले को ठंडे बस्ते में डालते हुए जांच के नाम पर विवेचना जारी है का शिगुफा चलाया जाएगा और अंत में एक मजदूर की दर्दनाक मृत्यु पर ठेकेदार को क्लीन चिट देकर अपनी संवेदनहीनता का पुन: एक बार उदाहरण दे दिया जाएगा ।